दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२०३ वा | सोमवार २४ फ़रवरी २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

कोकाटे और मुंडे की रक्षा करना ही बीजेपी का हिंदुत्व है क्या?-उद्धव ठाकरे

मुंबई । प्रतिनिधि

बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड और कृषि विभाग में कथित घोटाले को लेकर राज्य के अन्न और नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे विवादों में घिरे हुए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री कोटे से फर्जी दस्तावेज तैयार कर आवासीय फ्लैट हड़पने के मामले में कृषि मंत्री डॉ. माणिकराव कोकाटे भी मुश्किलों में फंस गए हैं। इन दोनों मंत्रियों के इस्तीफे की मांग विपक्ष की ओर से लगातार उठाई जा रही है। अब शिवसेना (ठाकरे गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने इस मुद्दे पर बीजेपी पर तीखा हमला

बोला है। साथ ही उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर भी निशाना साधा है।

बीजेपी के हिंदुत्व पर सवाल

उद्धव ठाकरे ने कहा,

धनंजय मुंडे और माणिकराव कोकाटे की रक्षा करना ही बीजेपी का हिंदुत्व है क्या? न्यू इंडिया बैंक डूब गई, वह किस वजह से डूबी? क्या उनकी रक्षा करना ही बीजेपी का हिंदुत्व है? मेरे हिंदुत्व की परिभाषा स्पष्ट है, लेकिन बीजेपी के हिंदुत्व की परिभाषा क्या है?

न्यायालय के फैसले पर सवाल

माणिकराव कोकाटे के मामले में न्यायालय ने उन्हें दोषी करार दिया है, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि उनके पास अब तक आधिकारिक आदेश की प्रति नहीं आई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा,

अब न्यायालय को भी तत्परता दिखाने की जरूरत है। हमारे मामलों में तीन साल से फैसला लंबित है, तीन-चार न्यायाधीशों का कार्यकाल पूरा हो गया, लेकिन अब तक निर्णय नहीं आया। यदि इस मामले में फैसला आ चुका है तो कम से कम उसकी प्रति तो माननीय नार्वेकर को दी जानी चाहिए।

ठाकरे ने कहा कि अगर अदालत के आदेश की प्रति मांगना अपराध है, तो यह न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा,

अगर यह लोग सच में अदालत के फैसले का सम्मान कर रहे हैं, तो हमारे मामलों में जो भी निर्णय आया है, उसे भी न्याय माना जाए। लेकिन जो कुछ भी चल रहा है, वह पूरी तरह अजीब है।

विपक्ष की नाराजगी बढ़ी

धनंजय मुंडे और माणिकराव कोकाटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विपक्ष ने सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, बीजेपी और शिंदे गुट की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

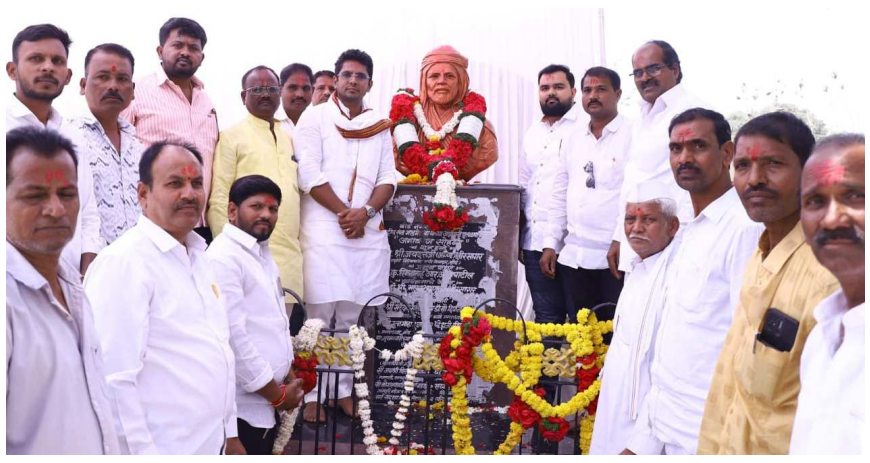

बीड़: राष्ट्रसंत गाडगे बाबा की जयंती के अवसर पर शहर के यशवंत उद्यान में स्थित अर्धाकृति प्रतिमा पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नगरसेवक शुभम धूत, विठ्ठल गुजर, शुभम कातांगळे, आमेर सिद्दीकी, शंकर व्यवहारे, प्रधान पवार, मोहन राऊत, दादासाहेब नन्नवरे, रमेश घोड़के, सागर वाव्हुळ, पांडुरंग जानवळे, सतीश मुळे, महादेव नन्नवरे, विलास जाधव, आदित्य रोकडे सहित समाज के अनेक लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सोलापुर सोशल अर्बन बैंक के चेयरमैन एडवोकेट उमर खान बेरिया और नासिर अहमद खलीफा बने वाइस चेयरमैन

सोलापुर (मुहम्मद मुस्लिम कबीर): सोशल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के लिए २०२४-२५ से २०२९-३० तक के पांच साल के आम चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए।

नवनिर्वाचित बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की पहली बैठक सहकारिता सोसायटी के जिला डिप्टी रजिस्ट्रार करन गायकवाड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में सोलापुर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के पूर्व मेयर एडवोकेट उमर खान बेरिया को बैंक का चेयरमैन और नासिर अहमद खलीफा को वाइस चेयरमैन चुना गया।

डिप्टी रजिस्ट्रार ने दी शुभकामनाएं

इस अवसर पर असिस्टेंट डिप्टी रजिस्ट्रार अबासाहेब उत्तमराम गोवाडे भी उपस्थित थे। डिप्टी रजिस्ट्रार ने नव-निर्वाचित चेयरमैन और वाइस चेयरमैन को गुलदस्ता भेंट कर शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में डिस्ट्रिक्ट डिप्टी रजिस्ट्रार ने बैंक को अपने कार्यक्षेत्र को और अधिक बढ़ाने तथा जिले में नई शाखाएं खोलकर आर्थिक विकास को गति देने की सलाह दी। बिना चुनाव लगातार तीसरी बार बने चेयरमैन सोशल अर्बन बैंक के पिछले तीन चुनाव भी बिना किसी विरोध के संपन्न हुए हैं। एडवोकेट उमर खान बेरिया लगातार तीसरी बार बैंक के चेयरमैन बने हैं।

बैंक की आर्थिक प्रगति और सफलता नए नेतृत्व में बैंक ने पिछले १० वर्षों में असाधारण विकास किया है। वर्तमान में सोशल अर्बन बैंक की तीन शाखाएं कार्यरत हैं और इसे लगातार 'ए' ग्रेड की मान्यता प्राप्त हो रही है। पिछले तीन वर्षों में बैंक ने एक करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा अर्जित किया है और शेयरधारकों को १२% का लाभांश प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि के साथ, सोशल अर्बन बैंक भविष्य में और अधिक विस्तार की योजना बना रहा है।

फडणवीस ने 'छावा' को कर मुक्त क्यों नहीं किया? कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाळ का आरोप

मुंबई: (संवाददाता)

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया है कि उन्होंने फिल्म 'छावा' को कर मुक्त करने से इनकार किया क्योंकि वी. डी. सावरकर और एम. एस. गोलवलकर ने छत्रपति संभाजी महाराज की कथित तौर पर बदनामी की थी। सपकाळ का कहना है कि फडणवीस द्वारा फिल्म को कर मुक्त न करने का फैसला इस बदनामी का समर्थन करने के समान है।

फिल्म को कर मुक्त करने की मांग

छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म 'छावा' १४ फरवरी को रिलीज हुई थी, जिसमें अभिनेता विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, जिसके चलते इसे महाराष्ट्र में कर मुक्त करने की मांग उठ रही है। हालांकि, सपकाळ का आरोप है कि सावरकर और गोलवलकर

द्वारा संभाजी महाराज को गलत तरीके से चित्रित करने के कारण, फडणवीस इसे कर मुक्त करने में रुचि नहीं ले रहे हैं।

सपकाळ का बयान

सपकाळ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की ओर से उन्होंने सरकार से फिल्म को कर मुक्त करने का अनुरोध किया था, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि यह फिल्म एक अच्छी तरह से शोधित उपन्यास पर आधारित है, इसलिए इसके खिलाफ किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

फडणवीस का जवाब

इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र सरकार ने २०१७ में मनोरंजन कर समाप्त कर दिया था, इसलिए फिल्म को कर मुक्त करने का सवाल ही नहीं उठता।

रवींद्र धंगेकर के पार्टी छोड़ने की अटकलों पर जवाब

सपकाळ ने कांग्रेस नेता रवींद्र धंगेकर के संभावित पार्टी छोड़ने की अफवाहों पर भी सफाई दी। उन्होंने कहा कि धंगेकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से केवल व्यक्तिगत कारणों से मुलाकात की थी और उनका कांग्रेस छोड़ने का कोई इरादा नहीं है।

फिल्म 'छावा' पर विवाद जारी

इसके अलावा, फिल्म 'छावा' को लेकर एक और विवाद सामने आया है। शिर्के परिवार ने दावा किया है कि इस फिल्म में उनके पूर्वजों को नकारात्मक रूप से चित्रित किया गया है। इस पर फिल्म के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर ने माफी मांगते हुए कहा कि उनका किसी भी परिवार को बदनाम करने का कोई इरादा नहीं था, और यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो उन्हें इसका खेद है।

राजनीति और जनता के बीच बहस जारी

फिल्म 'छावा' के कर-मुक्त किए जाने की मांग और इसके ऐतिहासिक चरित्रों की प्रस्तुति को लेकर महाराष्ट्र में राजनीतिक और सार्वजनिक चर्चा तेज हो गई है।

M.R. DESHMUKH CLASSES

Admissions are Open 2025-26

Classes will Start From 24 February 2025

10th Urdu / Semi English English Medium

Subjects : Mathematics, Science, English, Marathi

M.R Group Batch for 8th to 10th Class for IIT (JEE) + NEET (Medical) Foundation

Starts From 26 February 2025

Physics, Chemistry, Biology, Mathematics

Salient Features
- Doubt Clearance Session.
- Personal attention & Improvement Guarantee.
- Multiple Choice Question Practice
- Conceptual Basic Preparation of competitive exams.
- Weekly Tests will be Conducted.

Address : Infront of Masjid e Aqsa, New Shahinshah Nagar, Beed- 431122 (MS) India

7020349854
9284242412
9767313361

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

भारतने पाकिस्तान को हराया-पाक चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने की कगार पर

दुबई (एजेंसी)

चैंपियंस ट्रॉफी २०२५ के हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को ६ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने सेमीफाइनल में अपनी स्थिति मजबूत कर ली, जबकि पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर होने के संकट में है।

पाकिस्तान की पारी:

टॉस जीतकर पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनकी पारी २४१ रनों पर ४९.४ ओवर में सिमट गई।

प्रमुख बल्लेबाज:

सऊद शकील – ६२ रन, कप्तान मोहम्मद रिज़वान – ४६ रन, भारत के गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन: कुलदीप यादव – ३ विकेट, हार्दिक पंड्या – २ विकेट, हर्षित राणा, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल – १-१ विकेट

भारत की पारी:

२४२ रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने ४२.३ ओवर में ४ विकेट के नुकसान पर जीत दर्ज की। भारतीय पारी के हीरो रहे विराट कोहली, जिन्होंने नाबाद १०० रन (१११ गेंदों में) बनाए, यह उनके वनडे करियर का ५१वां शतक था।

अन्य अहम बल्लेबाज:

शुभमन गिल – ४६ रन, श्रेयस अय्यर – ५६ रन, रोहित शर्मा – २० रन,

पाकिस्तान के गेंदबाज:

शाहीन अफरीदी – २ विकेट, अबरार अहमद और खुशदिल शाह – १-१ विकेट, मैच के अहम आंकड़े और रिकॉर्ड: भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ तीसरी जीत दर्ज की।

विराट कोहली ने १४,००० वनडे रन का आंकड़ा पार किया, जिससे वह सचिन तेंदुलकर (१८,४२६) और कुमार संगकारा (१४,२३४) के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

कोहली ने खउउ टूर्नामेंट में ५०+ स्कोर के मामले में सचिन तेंदुलकर (२३ बार) के रिकॉर्ड की बराबरी की।

शुरुआती ओवरों में शाहीन अफरीदी ने रोहित शर्मा को सस्ते में आउट कर पाकिस्तान को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन कोहली और अय्यर की शानदार साझेदारी ने भारत को जीत दिलाई।

पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ीं

इस हार के बाद पाकिस्तान की सेमीफाइनल की उम्मीदें कमजोर हो गई हैं। टूर्नामेंट में बने रहने के लिए उन्हें अपने बाकी के मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

वहीं, भारत अब सेमीफाइनल के और करीब पहुंच चुका है और आगामी मुकाबलों में उनकी टीम का आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है।

महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के चेयरमैन काज़ी समीर की वरिष्ठ पत्रकार काज़ी हयातुल्ला से सदिच्छा भेंट

गेवराई: महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के चेयरमैन काज़ी समीर और महाराष्ट्र राज्य काज़ी सेवा संघ के अध्यक्ष काज़ी शफी ने रविवार, २३ फरवरी २०२५ को वरिष्ठ पत्रकार काज़ी हयातुल्ला के निवास स्थान पर जाकर उनका हालचाल जाना।

गेवराई के पहले और सबसे वरिष्ठ पत्रकार काज़ी हयातुल्ला की तबीयत को लेकर उन्होंने गहरी संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए उनकी कुशलक्षेम पूछी।इस अवसर पर काज़ी परिवार की ओर से पत्रकार काज़ी अमान ने उनका अभिनंदन किया। इस दौरान एडवोकेट काज़ी मुखीमोद्दीन, सामाजिक कार्यकर्ता काज़ी शौकत, काज़ी उबेद, काज़ी समी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शरद शिंदे को मराठा भूषण पुरस्कारसे सम्मानित

बीड़ में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ भव्य कार्यक्रम

बीड़ (प्रतिनिधि): बीड़ के प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ और फिटल मेडिसिन विशेषज्ञ तथा द्वारका हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. शरद सर्जेराव शिंदे को मराठा सेवा संघ द्वारा दिए जाने वाले मराठा भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हर साल मराठा समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को मिलता है यह सम्मान

मराठा सेवा संघ हर साल शिव जयंती के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मराठा समाज के प्रतिभावान लोगों को सम्मानित करता है। इस वर्ष स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शरद शिंदे को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया था।

यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह में हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

२१ फरवरी को बीड़ के यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह में एक भव्य समारोह में डॉ. शरद शिंदे को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला सर्जन डॉ. अशोक थोरात, जिला परिषद के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. ज्ञानेश्वर मोकाटे, वरिष्ठ विचारक ज्ञानेश महाराव और मराठा सेवा संघ के विभागीय अध्यक्ष अशोक ठाकरे सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

परिवार के साथ पुरस्कार स्वीकार किया डॉ. शरद शिंदे ने अपनी मां, पत्नी और बच्चों के साथ यह सम्मान ग्रहण किया।

बीड़ में वर्षों से कर रहे हैं चिकित्सा सेवा

आर्वी (ता. शिरुर) निवासी डॉ. शरद शिंदे बीड़ में द्वारका हॉस्पिटल के माध्यम से वर्षों से मरीजों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने फिटल मेडिसिन जैसे नए चिकित्सा क्षेत्र में भी अध्ययन किया है।

स्त्री रोग और बांझपन निवारण के क्षेत्र में उन्होंने सराहनीय कार्य किया है। उनकी उपचार पद्धति के कारण कई महिलाओं का मातृत्व का सपना साकार हुआ है। इस कार्य में उन्हें उनकी पत्नी डॉ. उर्मिला शिंदे का पूरा सहयोग मिल रहा है।

डॉ. शरद शिंदे ने जताया आभार

पुरस्कार के लिए चयन करने और सम्मान देने पर डॉ. शरद शिंदे ने मराठा सेवा संघ और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया।

इस सम्मान पर उनके मित्रों और परिवारजनों ने उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

(विशेष रिपोर्ट – जावेद जमालुद्दीन)

नई दिल्ली: देश की संसद के निचले सदन लोकसभा में स्पीकर ओम बिड़ला ने सांसदों की सुविधा के लिए विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद की सुविधा प्रदान करने की घोषणा की थी, जिसमें संस्कृत और उर्दू को भी शामिल किया गया। इस घोषणा का सांसदों ने डेस्क बजाकर स्वागत किया था। उर्दू भाषा से जुड़े लोगों में इस फैसले को लेकर हर्ष की लहर दौड़ गई और सरकार के इस फैसले को उर्दू के पक्ष में एक बड़ा कदम बताया गया, जिससे इसके दूरगामी प्रभाव होंगे।

उर्दू तेरी जुल्फों से कैसी ये शरारत दिल्ली में मोहब्बत लखनऊ में शिकायत

लेकिन यह खुशी एक सप्ताह भी नहीं टिक पाई कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई भाषाओं और बोलियों को विधानसभा की आधिकारिक भाषाओं में शामिल करने की घोषणा कर दी। लेकिन जैसे ही विपक्ष ने उर्दू को शामिल करने की मांग की, योगी आदित्यनाथ भड़क उठे।

योगी आदित्यनाथ का उर्दू विरोधी बयान

योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान बड़े ही नफरत भरे लहजे में कहा कि उर्दू पढ़कर लोग 'कट्टर मौलवी' बन रहे हैं। उनके इस घृणास्पद बयान से देशभर में कड़ी नाराजगी देखने को मिल रही है। इस बयान के बाद विधानसभा में न केवल मुस्लिम बल्कि गैर-मुस्लिम विधायकों ने भी उनकी कड़ी आलोचना की और कहा कि उर्दू भारत की भाषा है और इसे पढ़कर न केवल विद्वान, शिक्षक, अधिकारी बल्कि राजनीतिक नेता भी बने हैं। योगी का यह कहना कि उर्दू पढ़कर कट्टर मौलवी बनते हैं उनकी संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है।

योगी आदित्यनाथ की मानसिकता पर सवाल

दरअसल, योगी आदित्यनाथ की मानसिकता से देश पिछले आठ वर्षों में अच्छी तरह से परिचित हो चुका है। उनका दिमाग हमेशा मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुसलमान और हिंदी-उर्दू की संकीर्ण राजनीति में उलझा रहता है। अब जब उन्हें मौका मिला, तो उन्होंने अपनी विरोधी मानसिकता को खुलकर सामने ला दिया।

उन्हें यह देखना चाहिए कि भारत में पं. दया शंकर नसीम, राजेंद्र सिंह बेदी, मुंशी प्रेमचंद, रघुपति सहाय (फिराक गोरखपुरी), रतन नाथ सरशार, प्रताप सिंह बेताब, पं. ब्रिज नारायण चकबस्त, पं. हरिदास, रामलाल और भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. शंकर दयाल शर्मा जैसे हजारों प्रतिष्ठित लोग हुए, जिन्होंने उर्दू सीखी, पढ़ी और इसकी तरक्की में योगदान दिया। तो क्या ये सभी कट्टर मौलवी थे?

१८५७ की क्रांति के बाद उर्दू के खिलाफ साजिश

भारत में १८५७ की पहली स्वतंत्रता संग्राम के बाद ब्रिटिश सरकार ने मुसलमानों और उलेमाओं को चुन-चुनकर फांसी पर लटका दिया। उन्हें प्रशासन और सरकारी विभागों से निकाल दिया गया। इसके साथ ही फारसी और उर्दू को खत्म करने का प्रयास शुरू हुआ और हिंदी को बढ़ावा देने की साजिश रची गई।

प्रसिद्ध लेखक मौलाना अल्ताफ हुसैन हाली ने सर सैयद अहमद खान के हवाले से लिखा था कि १८५७ की क्रांति के बाद मुसलमानों को अलग-थलग करने के लिए उर्दू को भी निशाना बनाया जा रहा है। सर सैयद ने यह भी कहा था कि १०० वर्षों में उर्दू को भारत से खत्म कर दिया जाएगा। लेकिन उनका यह कथन गलत साबित हुआ क्योंकि आज उर्दू भारत के साथ-साथ खाड़ी देशों, यूरोप, कनाडा और अमेरिका में भी फल-फूल रही है।

हिंदी बनाम उर्दू की राजनीति

उत्तर प्रदेश विधानसभा में उर्दू के उपयोग को लेकर पहले भी कई बार हंगामा हुआ है। इस मुद्दे पर न केवल राज्य में आंदोलन हुए बल्कि देश और विदेशों में भी इसकी गूंज सुनाई दी। राजस्थान में एक मंत्री के आदेश पर उर्दू के बजाय संस्कृत पढ़ाने के फैसले को लेकर विरोध हुआ था, जबकि महाराष्ट्र में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पियारे खान उर्दू भाषा और इसके संस्थानों के खिलाफ बयानबाजी करते नजर आते हैं।

बीजेपी के दोहरे चेहरे पर सवाल

यह विरोधाभास देखिए कि एक तरफ बीजेपी के शीर्ष नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अरब देशों में जाकर मुसलमानों को गले लगाते हैं, तो दूसरी तरफ इसी पार्टी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश विधानसभा में उर्दू, अरबी और फारसी पढ़ने वालों का मजाक उड़ाते हैं और उन्हें कट्टर मौलवी करार देते हैं। उर्दू पढ़ने वालों की जिम्मेदारी

उर्दू भाषा से जुड़े लोगों को योगी के इस बयान और सरकार के फैसलों पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है। अगर आप मुस्लिम मोहल्लों और गलियों में जाएंगे, तो उर्दू स्कूलों में छात्रों की घटती संख्या और दुकानों के साइनबोर्ड से उर्दू के गायब होने की हकीकत सामने आ जाएगी।

जो नेता उर्दू अखबारों की सुर्खियों से अपनी पहचान बनाते हैं, वे ही त्योहारों पर छोटे-छोटे विज्ञापन देने से पहले अखबारों की सर्कुलेशन जांचते हैं और फिर इसकी खामियां निकालने लगते हैं।

इस पूरे मुद्दे पर गहरी चर्चा की जरूरत है और उर्दू बोलने और पढ़ने वालों को आत्मनिरीक्षण करना होगा।

जावेद जमालुद्दीन
ईमेल: javedjamaluddin gmail.com
संपर्क: ९८६७६४७७४१

बालेपीर परिसर में अस्पताल और खेल मैदान की मांग, विधायक संदीप भैया क्षीरसागर को सौंपा गया निवेदन

बीड़: शहर का विस्तार तेजी से हो रहा है, लेकिन बालेपीर परिसर के नागरिकों को इलाज के लिए जिला अस्पताल तक जाना पड़ता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और खेल मैदान की आवश्यकता है। इसी मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के शहर अध्यक्ष एम. डी. खमरोद्दीन ने विधायक संदीप भैया क्षीरसागर को ज्ञापन सौंपा।

क्षेत्र की समस्याओं को लेकर भी जताई नाराजगी

दिए गए निवेदन में बताया गया कि बालेपीर क्षेत्र के नागरिक कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

वार्ड क्रमांक ११ की सड़कें पूरी तरह से उखड़ चुकी हैं।

सड़कों पर बने गड्ढों में गटर का गंदा पानी भर रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

घंटा गाड़ी (कचरा उठाने वाली गाड़ी) नियमित नहीं आ रही, जिससे कचरा जमा हो रहा है।स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं, उन्हें चालू किया जाए।

क्षेत्र की कई नालियां जाम हो गई हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है और पूरे इलाके में गंदगी का साम्राज्य फैल गया है।

इससे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। स्वास्थ्य केंद्र और खेल मैदान की जरूरत

बालेपीर क्षेत्र में तेजी से नई कॉलोनियां विकसित हो रही हैं, लेकिन यहां अस्पताल नहीं होने की वजह से नागरिकों को इलाज के लिए शहर आना पड़ता है।

इसलिए इस क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, खेल मैदान और अन्य नगरीय सुविधाएं प्रदान करने की मांग एम. डी. खमरोद्दीन ने विधायक संदीप भैया क्षीरसागर से निवेदन के माध्यम से की है।

निष्क्रिय मुख्याधिकारी के तबादले के लिए सड़क पर उतरेंगे-खुर्शीद आलम

बीड़ (प्रतिनिधि): बीड़ नगरपरिषद में मुख्याधिकारी नीता अंधारे के कार्यभार संभालने के बाद से नगरपालिका की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। चार-चार महीनों से नालियां और सड़कें साफ नहीं हुई हैं, जिससे स्वच्छता व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

शहर के नागरिकों को स्वच्छ और समय पर पानी नहीं मिल रहा है। सड़क लाइटें छह-छह महीने से बंद पड़ी हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण रजिस्टरों की बुक बाइंडिंग नहीं हुई, जिससे गरीब नागरिकों को झढठ नहीं मिल रही और वे घरकुल योजना से वंचित हो रहे हैं। नगरपरिषद के हर विभाग में भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है। नए सड़क और नाले नहीं बन रहे, लेकिन करोड़ों के बिल पास किए जा रहे हैं। पुराने कामों के नए या डबल बिल बनाकर भुगतान किया जा रहा है।भ्रष्टाचार चरम पर, अतिक्रमण हटाने में दोहरा रवैया बीड़ नगरपरिषद में भ्रष्टाचार की स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि हर रोज अखबारों में इसकी खबरें छप रही हैं। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में भी धनाढ्य लोगों को छोड़कर गरीबों पर ही कार्रवाई की जा रही है। अतिक्रमण हटाने के बाद गटरों की सफाई तक नहीं की गई, जिससे नागरिकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। मुख्याधिकारी प्रशासक के नाम पर कर रही हैं मनमानी बीड़ नगरपरिषद के पूर्व सभापति खुर्शीद आलम ने कहा, मैं २५ वर्षों से नगरपरिषद के माध्यम से जनता की सेवा कर रहा हूं, लेकिन मैंने आज तक इतनी निष्क्रिय मुख्याधिकारी नहीं देखी।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्याधिकारी नीता अंधारे प्रशासक के नाम पर मनमाने ढंग से कार्य कर रही हैं और नागरिकों की समस्याओं को अनदेखा कर रही हैं।मुख्याधिकारी के तबादले की मांग, नागरिकों के साथ आंदोलन शहर की स्वच्छता, पानी, लाइट और सड़क-नाले के विकास कार्यों के लिए मुख्याधिकारी का तत्काल तबादला आवश्यक है। इसके लिए सामान्य नागरिकों के बीच जाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा और इस संबंध में शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को सौंपी जाएगी।अगर जल्द से जल्द कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो नगरपरिषद प्रशासन के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। यह चेतावनी बीड़ नगरपरिषद के पूर्व सभापति खुर्शीद आलम ने अपने जारी किए गए पत्र में दी है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com